No of Questions : 30
No of Pages : 3

नामांक

माध्यमिक परीक्षा, 2019

सामाजिक विज्ञान

मॉडल पेपर 6

समय : $3\frac{1}{4}$ घण्टे **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए के लिये सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5.

प्रश्न संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	उत्तर की शब्द सीमा
1-10	1	20 शब्द
11-19	2	40 शब्द
20-26	4	100 शब्द
27, 29	6	150 शब्द
28	7	150 शब्द

6. प्रश्न संख्या 30 मानचित्र कार्य से संबंधित है और 5 अंक का है।
7. प्रश्न संख्या 24 व 27 से 29 तक में आंतरिक विकल्प है।

---

1. मौर्य वंश का अंत कैसे हुआ? 1

2. पानीपत का प्रथम युद्ध किसके बीच तथा कब हुआ? 1

3. भारतीय शासन व्यवस्था का हृदय किसे कहाँ जाता है? 1

4. समर्पित मालभाड़ा कॉरिडोर परियोजना से क्या आशय है? 1

5. योजना आयोग के मुख्य कार्य लिखिए। 1

6. आर्थिक विकास से क्या तात्पर्य है? 1

7. भारत में आर्थिक नियोजन का सर्वप्रथम प्रयास किसके द्वारा किया गया? 1

8. बेरोजगारी दर से आप क्या समझते हैं? 1

9. मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने का मौद्रिक उपाय बताइए? 1

10. कीमत से क्या तात्पर्य है? 1

11. राज्यपाल पद पर नियुक्त होने के लिए क्या योग्यताएँ होनी चाहिए? 2

12. इन्दिरा गाँधी नहर की विशेषताएँ क्या है? 2

13. रबी की फसल से आप क्या समझते है? 2

14. बॉक्साइट खनिज के उपयोग बताइए। 2

15. राजस्थान के हस्तशिल्प उद्योग का वर्णन कीजिए। 2

16. लिंग अनुपात की माप की इकाई क्या है और इसका क्या संकेत मिलता है? 2

17. भारत में सड़क परिवहन से संबंधित किन्हीं चार समस्याओं का उल्लेख कीजिए। 2

18. कार लेन में होने वाली भीड़ को कम करने के लिए क्या किया जाना चाहिए। 2

19. ठोस कचरा प्रबन्धन कार्यक्रम के उद्देश्य कौन से हैं? 2

20. चोल प्रशासन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। 4

21. बन्दा बैरागी कौन था? 4

22. एकीकरण से पूर्व जर्मनी की स्थिति का वर्णन कीजिए। 4

23. शान्ति एवं व्यवस्था किस प्रकार लोकतंत्र के सफल संचालन में सहायक हो सकती है? समझाइये। 4

24. कौशल विकास हेतु सरकार द्वारा कौन–कौन से कदम उठाये गये हैं? 4

अथवा

24. वैश्वीकरण से क्या अभिप्राय है? वैश्वीकरण की प्रक्रिया में सहायक दो कारकों का वर्णन कीजिए। 4

25. भारत में ग्रामीण परिवारों में साख के दो मुख्य समूह कौनसे हैं? प्रत्येक के दो–दो लक्षण लिखिए। 4

26. भारत में उपभोक्ता शोषण के लिए उत्तरदायी कारणों का वर्णन कीजिए। 4

27. प्लासी के युद्ध के कारणों और परिणामों का वर्णन कीजिए। 6

अथवा

27. राजस्थान के दो जनजातीय आन्दोलनों का वर्णन कीजिए।

28. सर्वोच्च न्यायालय के संगठन का वर्णन कीजिए। 7

अथवा

28. उपराष्ट्रपति का निर्वाचन, पदच्युति तथा कार्य एवं शक्तियों का वर्णन कीजिए।

29. राज्य प्रशासन में मुख्यमंत्री की भूमिका की विवेचना कीजिए। 6

अथवा

29. मंत्रीपरिषद् और राज्यपाल के बीच संबंध बताइए।

30. 1. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित को अंकित कीजिए– 5

(a) राऊरकेला

(b) तापी नदी

(c) उड़ीसा–झारखण्ड लौह–अयस्क पेटी।

2. दिए गए भारत के मानचित्र में निम्नलिखित सूती वस्त्र उद्योग के केन्द्रों को दर्शाइए–

(a) चेन्नई

(b) इंदौर

(c) दिल्ली

(d) मुम्बई।

□□□□□□□

राजस्थान बोर्ड परीक्षा 2019
10वीं कक्षा
सामाजिक विज्ञान
मॉडल पेपर 6

समय : $3\frac{1}{4}$ घंटे **(पूर्णांक : 80)**

परीक्षार्थियों के लिये सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5.

प्रश्न संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	उत्तर की शब्द सीमा
1-10	1	20 शब्द
11-19	2	40 शब्द
20-26	4	100 शब्द
27-29	6	150 शब्द
28	7	150 शब्द

6. प्रश्न संख्या 30 मानचित्र कार्य से संबंधित है और 5 अंक का है।
7. प्रश्न संख्या 24 व 27 से 29 तक में आंतरिक विकल्प है।

---

1. मौर्य वंश का अंत कैसे हुआ? 1

उत्तर :
मौर्य सम्राट वृहद्रथ की उसके ब्राह्मण मंत्री पुष्यमित्र शुंग ने हत्या कर दी जिससे मौर्य वंश का अंत हुआ।

2. पानीपत का प्रथम युद्ध किसके बीच तथा कब हुआ? 1

उत्तर :
पानीपत का प्रथम युद्ध इब्राहिम लोदी तथा बाबर के बीच 1526 ई. में हुआ।

3. भारतीय शासन व्यवस्था का हृदय किसे कहाँ जाता है? 1

उत्तर :
मन्त्रिमण्डल भारतीय शासन व्यवस्था की सर्वोच्च इकाई है और इसके द्वारा समस्त शासन व्यवस्था का संचालन किया जाता है। इसलिए मन्त्रिमण्डल को **भारतीय शासन व्यवस्था का हृदय** कहा जाता है।

4. समर्पित मालभाड़ा कॉरिडोर परियोजना से क्या आशय है? 1

उत्तर :
समर्पित मालभाड़ा कॉरिडोर परियोजना मालगाड़ियों के संचालन तथा कंटेनर परिवहन की जरूरतों को पूरा करने के लिए मुम्बई से रेवाड़ी तक 1534 कि.मी. दोहरी रेलमार्ग/लाईन है।

5. योजना आयोग के मुख्य कार्य लिखिए। 1

उत्तर :
योजना आयोग के मुख्य कार्य निम्नलिखित थे-
1. देश में उपलब्ध भौतिक एवं मानवीय संसाधनों का अनुमान लगाना।
2. संसाधनों के प्रभावी और संतुलित उपयोग के लिए योजनाएँ बनाना।

6. आर्थिक विकास से क्या तात्पर्य है? 1

उत्तर :
आर्थिक विकास से अभिप्राय निर्धन जनता की प्रतिव्यक्ति आय और रोजगार में वृद्धि तथा उन्हें पौष्टिक भोजन, उत्तम स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा, उत्तम जीवन निर्वाह दशाएँ आदि सुविधाएँ प्रदान करने से है।

7. भारत में आर्थिक नियोजन का सर्वप्रथम प्रयास किसके द्वारा किया

गया? 1

उत्तर :

भारत में आर्थिक नियोजन का सर्वप्रथम प्रयास 1934 ई. में सर एम. विश्वेश्वरैया द्वारा किया गया था।

8. बेरोजगारी दर से आप क्या समझते हैं? 1

उत्तर :

बेरोजगारी दर, बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या का श्रम शक्ति में शामिल लोगों की संख्या से अनुपात है।

9. मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने का मौद्रिक उपाय बताइए? 1

उत्तर :

मुद्रास्फीति के नियंत्रण हेतु मौद्रिक उपायों के अन्तर्गत केन्द्रीय बैंक मुद्रा की मात्रा, साख की उपलब्धता तथा ब्याज दरों को प्रभावित करके समग्र माँग को कम करने तथा समग्र पूर्ति को बढ़ाने का प्रयत्न करता है।

10. कीमत से क्या तात्पर्य है? 1

उत्तर :

मौद्रिक अर्थव्यवस्था में किसी वस्तु या सेवा की एक इकाई का मुद्रा की जितनी इकाइयों के साथ विनिमय होता है, वह उस वस्तु अथवा सेवा की कीमत कहलाती है।

11. राज्यपाल पद पर नियुक्त होने के लिए क्या योग्यताएँ होनी चाहिए?2

उत्तर :

भारत के संविधान के अनुच्छेद 157 में राज्यपाल के पद के लिए निम्नलिखित योग्यताओं का प्रावधान किया गया है–

1. वह भारत का नागरिक होना चाहिए।
2. वह 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।
3. वह संसद या राज्य विधानमण्डल के किसी भी सदन का सदस्य नहीं होना चाहिए।
4. वह किसी भी लाभ के सरकारी पद पर पदस्थापित नहीं होना चाहिए।

12. इन्दिरा गाँधी नहर की विशेषताएँ क्या है? 2

उत्तर :

इन्दिरा गाँधी नहर की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

1. इन्दिरा गाँधी नहर एशिया की सबसे बड़ी मानव निर्मित नहर है।
2. इस नहर ने पश्चिमी राजस्थान की दशा व दिशा दोनों को बदल दिया हैं।
3. इसके द्वारा राजस्थान के 9 जिलों, 29 कस्बों तथा 3461 गाँवों को पेयजल की आपूर्ति की जाती है।
4. इस नहर के माध्यम से 17.41 करोड़ हेक्टेयर भूमि को सिंचित किया जाएगा।
5. यह नहर राजस्थान में मरुस्थल की गंगा सिद्ध हुई है।
6. इन्दिरा गाँधी नहर ने अनेक लोगों को रोजगार प्रदान किया है।

13. रबी की फसल से आप क्या समझते है? 2

उत्तर :

रबी ऐसी फसल है जिसकी बुवाई अक्टूबर–नवम्बर के प्रथम सप्ताह से लेकर दिसम्बर के प्रथम सप्ताह तक होती है एवं मार्च–अप्रैल में काटी जाती है। भारत में रबी की मुख्य फसलें गेहूँ, चना, जौ, सरसों, अलसी, जीरा, धनिया, अफीम, इसबगोल आदि हैं।

14. बॉक्साइट खनिज के उपयोग बताइए। 2

उत्तर :

बॉक्साइट एक ऐसा कच्चा पदार्थ है जिससे एल्यूमीनियम बनाया जाता है। विद्युत तथा ऊष्मा का अच्छा चालक होने के कारण एल्यूमीनियम का प्रयोग वायुयान निर्माण में, रेल के डिब्बे, मोटर तथा कार बनाने के लिए, बिजली की तारें, बर्तन तथा वैज्ञानिक यंत्र व उपकरण बनाने में किया जाता है।

15. राजस्थान के हस्तशिल्प उद्योग का वर्णन कीजिए। 2

उत्तर :

राजस्थान में जयपुर की बंधेज, लहरिया, पावरजाई, संगमरमर की मूर्तियाँ, बाड़मेर की अजरक प्रिन्ट, नाथद्वारा की पिछवाइयां, जोधपुर की ओढ़नी, सांगानेर, पाली व बगरू आदि स्थानों पर वस्त्रों की हाथ से रंगाई व छपाई के उद्योग प्रसिद्ध है। बीकानेर व शेखावाटी में लकड़ी के नक्काशीकार सजावटी किवाड़ बनते है। सोने–चाँदी के कलात्मक आभूषण बनाने के लिए जयपुर, जोधपुर, अजमेर व उदयपुर के कारीगर विश्व प्रसिद्ध है।

16. लिंग अनुपात की माप की इकाई क्या है और इसका क्या संकेत मिलता है? 2

उत्तर :

1. लिंग अनुपात की माप की इकाई किसी भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले प्रति हजार पुरुषों के मुकाबले स्त्रियों की संख्या का अनुपात है।
2. यह समाज में पुरुष और महिला सदस्यों के बीच समानता की सीमा को इंगित करता है। आम तौर पर देश के लिंग अनुपात में महिला सदस्यों का समर्थन नहीं होता है।

17. भारत में सड़क परिवहन से संबंधित किन्हीं चार समस्याओं का उल्लेख कीजिए। 2

उत्तर :

भारतीय सड़क निम्नलिखित समस्याओं का सामना कर रही हैं–

1. यात्रियों की अधिक संख्या और माल की ढुलाई की अधिक मात्रा को देखते हुए भारत में सड़क जाल अपेक्षाकृत कम है।
2. भारत में लगभग 50 प्रतिशत सड़कें कच्ची है। इसलिए यह यातायात के साधनों के लिए सुगम नहीं है।
3. वर्षा ऋतु में कच्ची सड़कें कीचड़ से भर जाती हैं। इसीलिए वर्षा ऋतु में ये सड़कें अनुपयोगी हो जाती हैं।
4. अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में सड़कें जल्दी खराब हो जाती है।

18. कार लेन में होने वाली भीड़ को कम करने के लिए क्या किया जाना

चाहिए। 2

उत्तर :

कार लेन में होने वाली भीड़ की समस्या को कम करने के लिए छोटी एवं मध्यम श्रेणी की कारों के अलावा, प्रत्येक वाहन हेतु बस लेन का ही उपयोग करना अनिवार्य किया जाना चाहिए क्योंकि बस लेन द्वारा काफी स्थान घेर लिया जाता है जबकि दिन में अधिकांश समय यह लेन खाली रहती है। इससे कार लेन की भीड़ में कमी आयेगी।

19. ठोस कचरा प्रबन्धन कार्यक्रम के उद्देश्य कौन से हैं? 2

उत्तर :

ठोस कचरा प्रबन्धन कार्यक्रम के उद्देश्य निम्न हैं–

1. वातावरण एवं जन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना ठोस कचरे का उपचार, निस्तारण, पुनःप्रयोग, पुनःचक्रण तथा ऊर्जा में परिवर्तन करने की प्रक्रियाओं का संचालन एवं प्रबन्धन करना।
2. शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के स्थानीय निकायों को ठोस कचरे के प्रबन्धन का प्रशिक्षण, सुझाव एवं संसाधन उपलब्ध करवाना तथा ठोस कचरा प्रबन्धन पर नए–नए शोध कार्य, विकास कार्य और उपयोग की सुविधाएँ उपलब्ध करवाना।

20. चोल प्रशासन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये। 4

उत्तर :

चोल प्रशासन ग्राम पंचायत प्रणाली पर आधारित था। प्रशासन की सुविधा की दृष्टि से सम्पूर्ण चोल राज्य छः प्रान्तों में विभाजित था, जिनको **मण्डलम्** कहा जाता था। मण्डलम् के विभाग **कोट्टम**, कोट्टम के उपविभाग **नाडु**, **कुर्रम** और **ग्राम** होते थे। अभिलेखों में नाडु की सभा को नाट्टर और नगर की श्रेणियों को 'नगरतार' कहा जाता था। गाँव के प्रतिनिधि प्रतिवर्ष नियमतः निर्वाचित होते थे। प्रत्येक मण्डलम् को तो स्वायत्तता प्राप्त थी, लेकिन राजा को नियंत्रित करने के लिए कोई केन्द्रीय विधानसभा नहीं थी। भूमि की उपज का लगभग छठा भाग सरकार को लगान के रूप में मिलता था। लगान अनाज में या स्वर्ण मुद्राओं में दिया जाता था। चोल राज्य में प्रचलित सोने का सिक्का **कासु** कहलाता था, जो 16 औंस का होता था। चोल राजाओं के पास विशाल स्थल सेना के साथ–साथ मजबूत जहाजी बेड़ा भी था।

21. बन्दा बैरागी कौन था? 4

उत्तर :

बन्दा बैरागी का मूल नाम माधोदास था। इनका 1670 ई. में राजपूत परिवार में जन्म हुआ था। ये गोदावरी के तट पर आश्रम में निवास करते थे। बन्दा बैरागी महान् त्यागी, साहसी, शूरवीर और धर्म का रक्षक था। गुरु गोविन्द सिंह के दक्षिण प्रवास के समय इन्होंने स्वयं को गुरु का बंदा कहा अतः बन्दा बैरागी के नाम से पहचाने गये। गुरु की आज्ञा से वे गुरु का शेष कार्य पूरा करने के उद्देश्य से पंजाब पहुँचे। बन्दा ने सर्वप्रथम **सरहिन्द** पर धावा बोला। सूबेदार वजीर खाँ ने जिहाद का नारा देकर पंजाब के समस्त मुस्लिमों से बंदा का मुकाबला करने का आह्वान किया। माझा के मुझाइल जाटों के सहयोग से बन्दा ने छप्पर चिड़ी नामक स्थान पर वजीर खाँ के टुकड़े–टुकड़े कर दिये। 36 लाख वार्षिक राजस्व वाले प्रदेश पर बन्दा शासन करने लगा। सरहिन्द की विजय से उत्साहित होकर सिक्खों ने अमृतसर, बटाला, कलानौर और पठानकोट पर अधिकार कर लिया। पंजाब में मुगल प्रशासन समाप्त हो गया। मुगल सम्राट बहादुरशाह के सेना भेजने पर बन्दा लौहगढ़ के पहाड़ी दुर्ग में चला गया और छापामार नीति से आक्रमण शुरू किये। नये मुगल सम्राट फर्रुख शियर ने सफदर खाँ के नेतृत्व में मुगल सेना को बन्दा के खिलाफ भेजा। डेरा बाबा में लम्बे समय तक घिरे रहने के बाद बन्दा ने आत्मसमर्पण किया। दिल्ली में वह अपने सैंकड़ों साथियों के साथ मौत के घाट उतार दिया गया।

22. एकीकरण से पूर्व जर्मनी की स्थिति का वर्णन कीजिए। 4

उत्तर :

जर्मनी 18वीं शताब्दी के अन्त में 300 से अधिक छोटी–बड़ी रियासतों में बँटा हुआ था। भौगोलिक दृष्टि से जर्मनी के राज्यों को मोटे तौर पर तीन भागों में बाँटा जा सकता था, यथा उत्तरी मध्य तथा दक्षिणी। उत्तरी भाग में प्रशा, सैक्सनी, हनोवर, फ्रेंकफर्ट आदि राज्य थे, जबकि मध्य भाग में राइनलैण्ड और दक्षिणी में बुर्टेम्बर्ग, बवेरिया, बादेन, पैलेटिनेट, हेस–डर्मेस्टाट आदि। आकार और सैनिक शक्ति की दृष्टि से देखे तो, प्रशा सबसे शक्तिशाली था लेकिन राजनैतिक दृष्टि से विखंडित होते हुए भी दो बातें जर्मनी के राज्यों को आपस में जोड़े हुई थी। पहली, राज्यों में रोमन सम्राट के प्रति सैद्धान्तिक रूप से आदर की भावना रखना तथा दूसरी, **डाइट** का अस्तित्व जहाँ राज्यों के प्रतिनिधि एक मंच पर उपस्थित होते थे।

23. शान्ति एवं व्यवस्था किस प्रकार लोकतंत्र के सफल संचालन में सहायक हो सकती है? समझाइये। 4

उत्तर :

लोकतंत्र तभी सफलतापूर्वक कार्य कर सकता है जब देश के अंदर एवं देश के बाहर शान्तिपूर्ण वातावरण हो। ऐसी स्थिति में सत्ता का विकेन्द्रीकरण बना रहता है तथा देश के लोग अपनी स्वतंत्रता का उपयोग करते है लेकिन जब देश में अव्यवस्था, आतंक और क्रान्ति जैसा वातावरण उत्पन्न हो जाता है तो ये स्थितियाँ लोकतंत्र के प्रतिकूल होती हैं। ऐसी स्थिति में सरकार देश की अखण्डता एवं सुरक्षा के लिए सत्ता का केन्द्रीयकरण करती है तथा व्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबन्ध तक लगा देती है। इस स्थिति में लोकतंत्र संघर्ष की स्थिति में पहुँच जाता है और अधिनायक तंत्र की स्थापना का मार्ग खुल जाता है। अतः लोकतंत्र के सफल संचालन के लिए शान्ति एवं व्यवस्था आवश्यक है।

24. कौशल विकास हेतु सरकार द्वारा कौन–कौन से कदम उठाये गये हैं? 4

उत्तर :

कौशल विकास हेतु सरकार द्वारा निम्नलिखित कदम उठाये गये है–

1. देश की प्रगति में कौशल–विकास के विशेष महत्व को समझाते हुए भारत सरकार द्वारा "विश्व युवा कौशल दिवस" के अवसर पर 15 जुलाई 2015 को राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन आरम्भ किया गया। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य कौशल प्रदान करने वाले प्रशिक्षणों की सहायता से कुशल भारत का लक्ष्य प्राप्त करना है। इस मिशन के मुखिया माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी है।
2. कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को रोजगार–योग्य बनाने के लिए कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय का गठन किया गया है।
3. अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा पाठ्यक्रमों की सहायता से युवाओं

को कौशल प्रदान किया जा रहा है। अकेले प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत् लाखों लोगों ने अपने जीवन को समृद्ध बनाया है।

अथवा

24. वैश्वीकरण से क्या अभिप्राय है? वैश्वीकरण की प्रक्रिया में सहायक दो कारकों का वर्णन कीजिए। 4

उत्तर :

अधिक विदेश व्यापार और अधिक विदेशी निवेश के कारण विभिन्न देशों के बाजारों एवं उत्पादनों में एकीकरण हो रहा है । विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया ही वैश्वीकरण है। वैश्वीकरण की प्रक्रिया को बढ़ावा देने में निम्नलिखित कारकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है–

1. **बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ –** बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ वैश्वीकरण की प्रक्रिया में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। विभिन्न देशों के बीच अधिक–से–अधिक वस्तुओं और सेवाओं, निवेश और प्रौद्योगिकी का आदान–प्रदान हो रहा है। इससे विश्व के अधिकांश भाग एक–दूसरे के अपेक्षाकृत अधिक पास आ रहे हैं।
2. **उन्नत प्रौद्योगिकी –** वैश्वीकरण को उत्प्रेरित करने में प्रौद्योगिकी में तीव्र उन्नति का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। परिवहन में उन्नति से दो देशों के बीच दूरी कम हो गई है। सूचना एवं प्रौद्योगिकी के विकास से वैश्वीकरण को बढ़ावा मिला है। दूरसंचार, कम्प्यूटर, इंटरनेट के क्षेत्र में प्रगति हुई है। दूरसंचार सुविधाओं का विश्व भर में एक–दूसरे से संपर्क करके, सूचनाओं को तत्काल प्राप्त करने और दूरवर्ती क्षेत्रों में संवाद करने में प्रयोग किया जाता है। जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में कम्प्यूटरों का प्रवेश हो गया है। इंटरनेट से हम इलेक्ट्रॉनिक डाक भेज सकते हैं और अत्यंत कम मूल्य पर विश्व भर में बात कर सकते हैं। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी ने विभिन्न देशों के बीच सेवाओं के उत्पादन के प्रसार में मुख्य भूमिका निभाई है।

25. भारत में ग्रामीण परिवारों में साख के दो मुख्य समूह कौनसे हैं? प्रत्येक के दो–दो लक्षण लिखिए। 4

उत्तर :

भारत में ग्रामीण परिवारों में साख के दो मुख्य समूह निम्नलिखित है–

1. **साहूकार–**
   (a) सामान्यतः बिना किसी गारंटी के ही ऋण मिल जाता है।
   (b) ऋणियों का सफेद कागज पर अंगूठा छाप ले लिया जाता है और इसके बाद उससे स्वेच्छा से ब्याज दर तथा अन्य शर्तें लिख ली जाती है। इस समय कुल ऋणों का 30 प्रतिशत भाग साहूकारों से लिया जाता है।
2. **सहकारी समितियाँ–**
   (a) भारत में सहकारी समितियों की शुरूआत किसानों को कम ब्याज दर पर कर्ज देने के लक्ष्य से हुई जिससे किसानों को साहुकार के चंगुल से बचाया जा सके।
   (b) ग्रामीण इलाकों में साख का यह सस्ता स्रोत है। इस समय कुल ऋण का 27 प्रतिशत भाग इन्हीं समितियों से लिया जाता है।

26. भारत में उपभोक्ता शोषण के लिए उत्तरदायी कारणों का वर्णन कीजिए। 4

उत्तर :

भारत में उपभोक्ता शोषण के लिए उत्तरदायी कारण निम्न हैं–

1. वस्तु या सेवा की गुणवत्ता, मात्रा, शुद्धता तथा मानक पर ध्यान दिए बिना क्रय किया जाना।
2. वस्तु या सेवा के विभिन्न प्रकारों के उपलब्ध होने पर सही वस्तु या सेवा का चयन नहीं होना।
3. वस्तुओं से संबंधित लिखित व अलिखित पूर्ण जानकारी का अभाव होना।
4. वस्तुओं की पैकिंग पर लिखित प्रचार पर विश्वास कर लेना।
5. उपभोक्ताओं का अशिक्षित होना।
6. क्रय की गई वस्तु/सेवा के मूल्य के भुगतान की रसीद/केश/बिल/क्रय संविदा आदि प्राप्त नहीं करना।
7. दूषित या हानिकारक वस्तु व सेवा के विरूद्ध उपभोक्ता द्वारा लिखित व उचित तरीके से शिकायत नहीं करना।
8. शिकायतों पर शीघ्र निर्णय नहीं होना।
9. उपभोक्ताओं का संगठित नहीं होना।
10. सरकार पर पूँजीपतियों/उद्योगपतियों का प्रभाव होना आदि।

27. प्लासी के युद्ध के कारणों और परिणामों का वर्णन कीजिए। 6

उत्तर :

प्लासी का युद्ध 1757 ई. में बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला और अंग्रेजों के बीच हुआ। अंग्रेजों के लिए यह युद्ध बड़ा महत्त्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

कारण–

1. अंग्रेजों ने सिराजुद्दौला को बंगाल का नवाब बनने पर कोई भेंट नहीं दी थी, इस कारण वह अंग्रेजों से नाराज था।
2. अंग्रेजों ने नवाब के एक विद्रोही अधिकारी को अपने यहां शरण दी। नवाब ने अंग्रेजों से मांग की कि वे उस देशद्रोही को वापस लौटा दें, परंतु अंग्रेजों ने उसकी एक न सुनी।
3. अंग्रेजों ने कलकत्ते (कोलकाता) में किलेबन्दी आरम्भ कर दी। नवाब के मना करने पर भी वे किलेबंदी करते रहे।
4. नवाब के ढाका के खजाने से गबन हुआ था। नवाब को शक था कि गबन की राशि अंग्रेजों के पास हैं। उसने अंग्रेजों से यह राशि वापस मांगी परंतु उन्होंने उसे लौटाने से इंकार कर दिया।
5. अंग्रेज सिराजुद्दौला को बंगाल की राज गद्दी से उतारना चाहते थे। इसलिए अंग्रेज सेनापति क्लाइव ने नवाब के विरुद्ध एक षड्यंत्र रचा। उसने बंगाल के एक सेठ अमीचंद को अपनी ओर मिला लिया और उसके द्वारा नवाब के कुछ अधिकारियों तथा सेनापति मीर जाफर को रिश्वत चढ़ा दी। मीर जाफर को नया नवाब बनाने का लालच दिया गया। फलस्वरूप वे सभी अंग्रेजों के साथ मिल गए और उन्होंने युद्ध के समय अंग्रेजों का साथ देने का वचन दिया।

परिणाम– इस युद्ध के निम्नलिखित परिणाम निकले–

1. सिराजुद्दौला मारा गया और मीर जाफर बंगाल का नया नवाब बना।
2. नए नवाब ने अंग्रेजों को 24 परगने का प्रदेश और बहुत–सा धन दिया।
3. बंगाल में अंग्रेजों का प्रभाव काफी बढ़ गया। नया नवाब पूरी तरह

अंग्रेजों के हाथ की कठपुतली था।

4. इस युद्ध ने भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना का द्वार खोल दिया।
5. अंग्रेजों को बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा में कर-मुक्त व्यापार करने की स्वतन्त्रता प्राप्त हुई।

अथवा

27. राजस्थान के दो जनजातीय आन्दोलनों का वर्णन कीजिए। 6

उत्तर :

राजस्थान के दो प्रमुख जनजातीय आंदोलन अग्रलिखित थे-

1. **भगत आन्दोलन –** राजस्थान में भील आंदोलन के प्रणेता डूँगरपुर रियासत के बासिया गाँव में जन्मे गोविन्द गिरी थे जो गोविन्द गुरु के नाम से प्रसिद्ध हुए। भीलों के सामाजिक व नैतिक उत्थान के लिए 1883 ई. में गोविन्द गुरु ने सम्प सभा स्थापित की व उन्हें हिन्दू धर्म के दायरे में बनाये रखने के लिए भगत पंथ की स्थापना की। जब भीलों को बेगार कृषि कार्य के लिए बाध्य किया गया और जंगलों में उनके मूलभूत अधिकारों से वंचित किया जाने लगा, तो उन्होंने आन्दोलन आरंभ कर दिया। गोविन्द गुरु ने 1913 ई. में मानगढ़ की पहाड़ी को ही अपनी कर्मस्थली बनाया। अक्टूबर, 1913 ई. में जब भीलों का वार्षिक अधिवेशन होने वाला था तब अंग्रेजी सैनिकों ने पहाड़ी को चारों तरफ से घेरकर गोलियाँ चला दी जिसमें सैंकड़ों भील शहीद एवं घायल हुए। गोविन्द गुरु को गिरफ्तार कर लिया गया तथा उन पर मुकदमा चलाकर प्रारम्भ में मृत्युदण्ड दिया गया, लेकिन भील प्रतिक्रिया के डर से 20 वर्ष की आजीवन कारावास की सजा सुनाई तथा दस वर्ष पश्चात् इन्हें रिहा कर दिया गया।
2. **एकी आन्दोलन –** 1917 में भीलों व गरासियों ने मिलकर मेवाड़ के महाराणा को पत्र लिखकर दमनकारी नीति तथा बेगार के विरुद्ध अपना विरोध जताया। परन्तु जब मेवाड़ के महाराणा ने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया, तो भीलों ने मोतीलाल तेजावत के नेतृत्व में आन्दोलन शुरू कर दिया। यह आन्दोलन **एकी आन्दोलन** के नाम से प्रसिद्ध हुआ। मोतीलाल तेजावत को भील अपना मसीहा मानते थे तथा इन्हें **बावसी** के नाम से पुकारते थे।

28. सर्वोच्च न्यायालय के संगठन का वर्णन कीजिए। 7

उत्तर :

सर्वोच्च न्यायालय का संगठन- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124 में उच्चतम न्यायालय के संगठन के बारे में वर्णन किया गया है। उच्चतम न्यायालय का संगठन इस प्रकार है-

1. **न्यायाधीशों की संख्या –** सर्वोच्च न्यायालय के लिए एक मुख्य न्यायाधीश तथा सात अन्य न्यायाधीश निश्चित किये गये थे, परन्तु इसी अनुच्छेद में संसद को न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने की शक्ति प्रदान की गई। सर्वोच्च न्यायालय अधिनियम, 1956 के अनुसार न्यायाधीशों की संख्या मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त 10 कर दी गई थी। 1960 में संसद द्वारा न्यायाधीशों की संख्या मुख्य न्यायाधीश सहित 14 कर दी गई, परन्तु 1977 में भारतीय संसद ने कुल संख्या 18 कर दी। 1986 में संसद ने एक अन्य कानून पारित करके सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या 18 से बढ़ाकर 26 कर दी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2008-09 में संसद ने एक विधेयक पारित कर न्यायाधीशों की संख्या 30 कर दी है। वर्तमान में कुल 31 न्यायाधीश हैं, जिनमें एक मुख्य न्यायाधीश एवं 30 अन्य न्यायाधीश हैं।
2. **न्यायाधीशों की नियुक्ति –** सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत का राष्ट्रपति करता है। वर्तमान में उच्चतम न्यायालय व उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति कॉलेजियम व्यवस्था से की जाती है जिसके अनुसार उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश व चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों का एक समूह राष्ट्रपति को नाम प्रस्तावित करता है। राष्ट्रपति इन्हीं नामों में से न्यायाधीशों की नियुक्ति करते हैं।
3. **न्यायाधीशों की योग्यताएँ-**
   (a) वह भारत का नागरिक हो।
   (b) वह किसी उच्च न्यायालय एवं दो या दो से अधिक न्यायालयों में लगातार 10 वर्ष तक अधिवक्ता रहा हो।
   (c) कम से कम 3 वर्ष तक लगातार किसी एक या एक से अधिक उच्च न्यायालयों का न्यायाधीश रहा हो।
   (d) राष्ट्रपति की नजर में कानून का उच्च कोटि का ज्ञाता हो।
4. **कार्यकाल एवं महाभियोग –** संविधान के अनुच्छेद 124(2) के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश 65 वर्ष की आयु तक अपने पद पर आसीन रहते हैं। उनकी नियुक्ति हेतु कोई न्यूनतम आयु अथवा नियत पदावधि का निर्धारण नहीं किया गया है। 65 वर्ष की आयु से पहले कोई भी न्यायाधीश अपनी इच्छानुसार त्याग-पत्र दे सकता है।
5. **वेतन, भत्ते एवं अन्य सुविधाएँ –** अनुच्छेद 125 में न्यायाधीशों के वेतन-भत्ते की व्यवस्था की गई है। इनमें न्यायाधीशों की नियुक्ति के पश्चात् कोई अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जा सकता। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन-भत्ते भारत की संचित निधि पर भारित होंगे। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को ₹1,00,000 तथा अन्य न्यायाधीशों को ₹90,000 मासिक वेतन एवं निःशुल्क सरकारी आवास व अन्य सुविधाएँ (अतिथि सत्कार, यात्रा भत्ता) प्रदान की जाएगी। अवकाश प्राप्ति के पश्चात् न्यायाधीशों को नियमानुसार पेंशन भी दी जाएँगी।
6. **उन्मुक्तियाँ –** न्यायाधीशों को अपने सभी कार्यों तथा निर्णयों के लिए आलोचना से मुक्ति प्रदान की गई है।

अथवा

28. उपराष्ट्रपति का निर्वाचन, पदच्युति तथा कार्य एवं शक्तियों का वर्णन कीजिए। 7

उत्तर :

उपराष्ट्रपति- संविधान के अनुच्छेद 63 के अनुसार भारत की संघीय कार्यपालिका में उपराष्ट्रपति पद की व्यवस्था की गई है।

उपराष्ट्रपति का निर्वाचन- उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बनने वाले निर्वाचक मण्डल के सदस्यों द्वारा किया जाता है। निर्वाचन के लिए आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत प्रणाली एवं गुप्त मतदान को अपनाया गया है। प्रारम्भ में ससंद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन में उपराष्ट्रपति के निर्वाचन की व्यवस्था थी। सन् 1961 में पारित किए गए संविधान के 11 वें संशोधन के द्वारा इस व्यवस्था को बदलकर

निर्वाचक मण्डल के सदस्यों द्वारा उपराष्ट्रपति के निर्वाचन की व्यवस्था की गई।

उपराष्ट्रपति की पदच्युति– उपराष्ट्रपति का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है। इससे पूर्व भी वह निम्न परिस्थितियों में अपने पर से हट सकता है:

1. राष्ट्रपति को स्वेच्छा से त्याग–पत्र देकर।
2. राज्य सभा अपने बहुमत से प्रस्ताव पास कर और इस पर लोकसभा की स्वीकृति लेकर उसे पदच्युत कर सकती है।
3. उसे हटाये जाने के लिए महाभियोग की जरूरत नहीं है, लेकिन उपराष्ट्रपति को 14 दिन पूर्व नोटिस देना आवश्यक है।

उपराष्ट्रपति की कार्य एवं शक्तियाँ– उपराष्ट्रपति की कार्य एवं शक्तियाँ निम्नलिखित है–

1. **राज्यसभा का पदेन सभापति –** उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होता है। इसका सामान्य कार्य राज्यसभा की बैठकों की अध्यक्षता करना है। उपराष्ट्रपति चूंकि राज्यसभा का सदस्य नहीं होता है, अतएव उसे मतदान का अधिकार नहीं है, किन्तु सभापति के रूप में निर्णायक मत देने का अधिकार प्राप्त है।
2. **राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में उसके पद का कार्यभार सँभालना –** अनुच्छेद 65 के अनुसार राष्ट्रपति की मृत्यु, पदत्याग अथवा पद से हटाये जाने अथवा अन्य कारण से उसके पद से हुई रिक्तता की अवस्था में या अनुपस्थिति, बीमारी अथवा अन्य कारण से जब राष्ट्रपति अपने कृत्यों को करने में असमर्थ हो उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेगा। जिस काल में उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति पद पर कार्य करेगा, उसे वे ही उपलब्धियाँ और भत्ते प्राप्त होंगे, जिनका राष्ट्रपति अधिकारी है।

   जिस कालावधि में उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है, वह राज्यसभा के सभापति के पद के कार्यों को नहीं करेगा। जब उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है तो उसे राष्ट्रपति की सभी शक्तियाँ, उन्मुक्तियाँ और विशेषाधिकार प्राप्त होंगे।
3. **अन्य कार्य एवं शक्तियाँ –** उपराष्ट्रपति के अन्य प्रमुख कार्य एवं शक्तियाँ निम्नलिखित हैं–
   (a) उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के उन कार्यों में सहयोग देता है, जिन पर राष्ट्रपति उससे सहयोग की अपेक्षा करता हैं।
   (b) उपराष्ट्रपति का राज्यसभा सचिवालय पर पूर्ण नियंत्रण होता है। वह सदन के समस्त कर्मचारियों तथा अधिकारियों के हितों का ध्यान रखता है। वह सदन की कार्यवाही की सुचारु रूप से प्रकाशन की व्यवस्था भी देखता है।
   (c) वह अनेक बार विदेशी राष्ट्रों की सद्भावना यात्रा करता है। वह अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व भी करता है, लेकिन अपनी विदेशी यात्राओं में वह नीतिगत घोषणा नहीं कर सकता है।
   (d) उपराष्ट्रपति अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों, उत्सवों, कार्यक्रमों आदि में भाग लेता है। वह विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की भी अध्यक्षता करता है।

29. राज्य प्रशासन में मुख्यमंत्री की भूमिका की विवेचना कीजिए। 6

उत्तर :

मुख्यमंत्री राज्य की मंत्रीपरिषद् का अध्यक्ष तथा नेता होता है। **मंत्रीपरिषद् यदि राज्य के शासन की नौका है तो मुख्यमंत्री उसका नाविक है।** मुख्यमंत्री राज्यपाल तथा मंत्रिपरिषद् के बीच तथा विधानमण्डल और मंत्रिपरिषद् के बीच सम्पर्क बनाए रखने वाली कड़ी का कार्य करता है। राज्य प्रशासन में मुख्यमंत्री की भूमिका को निम्नलिखित बिन्दुओं द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है–

1. **मंत्रीपरिषद् का निर्माण –** राज्यपाल मुख्यमंत्री की नियुक्ति करता है लेकिन अन्य मन्त्रियों के चयन में मुख्यमंत्री की इच्छा प्रधान रहती है। वह अपनी इच्छानुसार व्यक्ति को मंत्रीपरिषद् में शामिल करता है। मंत्रीपरिषद् में कितने मन्त्री होंगे, इस बात का निर्णय करने का अधिकार भी मुख्यमंत्री को ही होता है।
2. **मंत्रियों में कार्य का बँटवारा और परिवर्तन –** मुख्यमंत्री मंत्रीपरिषद् के अपने सहयोगियों के बीच विभागों का बँटवारा करता है। एक बार मंत्रीपरिषद् के निर्माण व उसके सदस्यों में विभागों का बँटवारा कर चुकने के बाद भी वह जब चाहे मंत्रियों के विभागों तथा उसकी स्थिति में परिवर्तन कर सकता है।
3. **मंत्रीपरिषद् का कार्य–संचालन –** मुख्यमंत्री ही मंत्रीपरिषद् की बैठकें बुलाता है तथा उनकी अध्यक्षता करता है। बैठक के लिए 'एजेण्डा' या कार्यसूची मुख्यमंत्री के द्वारा ही तैयार की जाती है। मंत्रिमण्डल की समस्त कार्यवाही मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार ही सम्पादित होती हैं
4. **शासन के विभिन्न विभागों में समन्वय –** मुख्यमंत्री इस बात का प्रयत्न करता है कि शासन के सभी विभाग, दूसरे शब्दों में मंत्रीपरिषद् एक इकाई के रूप में कार्य करे। यदि मंत्रीपरिषद् के दो या अधिक सदस्यों में किसी प्रकार के मतभेद हो जायें, तो उनके द्वारा इन मतभेदों को दूर कर सामंजस्य स्थापित किया जाता है।
5. **मंत्रीपरिषद् और राज्यपाल के बीच संबंध स्थापित कर्त्ता –** मुख्यमंत्री राज्यपाल तथा मंत्रीपरिषद् के बीच एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है और वह सभी प्रशासनिक कार्यों की सूचना नियमित रूप से राज्यपाल को देता है।
6. **विधानसभा का नेता –** मुख्यमंत्री राज्य की विधानसभा का नेता होता है। वह महत्त्वपूर्ण विषयों की बहस प्रारम्भ करता है और नीति संबंधी घोषणा करने का अधिकारी होता है। विधानसभा के नेता के रूप में वह राज्यपाल को विधानसभा भंग करने का परामर्श भी दे सकता है।
7. **राज्य का मुख्य प्रशासक –** मुख्यमंत्री राज्य का मुख्य प्रशासक होता है। राज्यपाल के नाम पर राज्य का प्रशासन मुख्यमंत्री ही चलाता है। राज्य में शांति व्यवस्था बनाए रखने, विकासकारी योजनाओं के निर्माण, क्रियान्वयन, वित्तीय प्रबंधन तथा राज्य के लिए केन्द्रीय शासन से सहयोग लेने में मुख्यमंत्री की प्रमुख भूमिका होती है। इसके अतिरिक्त राज्य में महाधिवक्ता, राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्य, विश्वविद्यालय के कुलपति तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्तियाँ मुख्यमंत्री के परामर्श से ही राज्यपाल द्वारा की जाती हैं।

अथवा

29. मंत्रीपरिषद् और राज्यपाल के बीच संबंध बताइए। 6

उत्तर :

राज्य की कार्यपालिका के दो प्रमुख राज्यपाल तथा मन्त्रिपरिषद् होते हैं। इन दोनों में घनिष्ठ संबंध है, जो इस प्रकार हैं–

1. भारत ने केंद्र और राज्यों में सरकार के संसदीय मॉडल को अपनाया है जिसके लिए मंत्रीपरिषद् और राज्यपाल के बीच आपसी संबंध ठीक, राष्ट्रपति और केंद्रीय मंत्रीपरिषद् के बीच संबंधों के समान है।
2. राज्यपाल को मन्त्रियों की नियुक्ति करने में मुख्यमंत्री की सलाह माननी होती है। यदि वह मुख्यमंत्री की सलाह की उपेक्षा करे तो मुख्यमंत्री त्यागपत्र देकर राजनीतिक संकट पैदा कर सकता है।
3. राज्यपाल मंत्रीपरिषद् के किसी निर्णय पर पुनर्विचार की सलाह दे सकता है किन्तु पुनर्विचार के बाद मंत्रीपरिषद् जो निर्णय ले राज्यपाल उसे स्वीकार करने के लिए बाध्य होता है।
4. मंत्रीपरिषद् और राज्यपाल के बीच निरन्तर सम्पर्क बने रहना इनके संबंधों की एक प्रमुख विशेषता है। मुख्यमंत्री मंत्रीपरिषद् के निर्णयों से राज्यपाल को बराबर अवगत कराता रहता है और राज्यपाल के विचार तथा परामर्श को मंत्रीपरिषद् के सामने रखता है।
5. राज्यपाल राज्य का नाममात्र प्रमुख है लेकिन राज्यमंत्री परिषद असली कार्यपालिका हैं ये दोनों राज्य कार्यकारी के घटक भाग हैं।
6. सैद्धांतिक रूप से मंत्रीपरिषद् का कार्य राज्यपाल को अपने कार्यों को लागू करने में सहायता देना और सलाह प्रदान करना है, इसके सिवाय अन्य मामलों में राज्यपाल को अपने विवेकाधिकार के अनुसार कार्य करना होगा।
7. सत्ताधारी दल राज्यपाल के साथ रहते हैं जो मंत्रियों की मदद से उन शक्तियों का उपयोग करते हैं। हालांकि राज्यपाल में मंत्रीपरिषद् को खारिज करने की शक्ति निहित है।
8. राज्यपाल के नाम पर मंत्रीपरिषद् द्वारा हर कार्यवाही की जाती है, लेकिन सच्चाई इसके विपरीत हैं। विधानसभा चुनाव में जब कोई भी पार्टी बहुमत हासिल नहीं कर पाती, तब ऐसे मामले में राज्यपाल को मुख्यमंत्री चुनने का कुछ विकल्प होता है।
9. हालांकि राज्यपाल मंत्रीपरिषद् की सलाह के अनुसार कार्य करता हैं। इसके अलावा राज्य प्रशासन में राज्यपाल द्वारा महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के कई तरीके हैं।

30. 1. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित को अंकित कीजिए– 5

(a) राऊरकेला
(b) तापी नदी
(c) उड़ीसा–झारखण्ड लौह–अयस्क पेटी।

2. दिए गए भारत के मानचित्र में निम्नलिखित सूती वस्त्र उद्योग के केन्द्रों को दर्शाइए–

(a) चेन्नई
(b) इंदौर
(c) दिल्ली
(d) मुम्बई।

उत्तर :

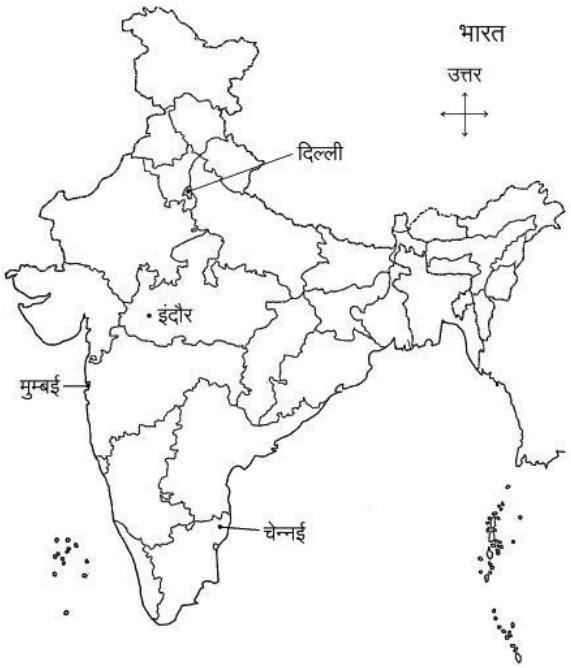

□□□□□□□